विचार बिन्दु

किसी भी हालत में अपनी शक्ति पर अभिमान मत कर, यह बहुरुपिया आसमान हर घड़ी हजारों रंग बदलता है। –हाफ़िज़

भजन लाल शर्मा के मुख्यमंत्री की शपथ के साथ ही जेनरेशन सिफ्टिंग और कार्यकर्ताओं में भरोसा जगाने में सफल रही है भाजपा

सारे कयासों और अनुमानों से परे भारतीय जनता पार्टी ने तीन राज्यों में जिस तरह से सत्ता में वापसी की है उसी तरह से तीनों ही राज्यों में मुख्यमंत्री, दो-दो उप मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्षों के चौंकाने वाले नाम सामने आये हैं और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में राजस्थान में 15 दिसंबर को मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा और दो उप मुख्यमंत्रियों के शपथ के साथ ही तीनों राज्यों में नई सरकारों का गठन हो गया है। संभवत: यह पहला मौका है जब सोशियल इंजीनियरिंग के साथ ही भारतीय जनता पार्टी ने राजस्थान में जमीनी कार्यकर्ता और पहली बार के विधायक श्री भजन लाल को मुख्यमंत्री बनाकर देश दुनिया की लोकतांत्रिक व्यवस्था को नया संदेश दे दिया है। भारतीय जनता पार्टी ने चुनावों से पहले ही मुख्यमंत्री के चेहरों के लिए सस्पेंस बनाए रखा और चुनाव परिणाम आते ही सोशियल इंजीनियरिंग के साथ ही जेनरशन शिफ्टिंग का काम भी बड़ी आसानी से कर दिखाया है।

चारों राज्यों में नए नेतृत्व के साथ ही नया संदेश दिया जा चुका है। तीनों राज्यों में चाहे छत्तीसगढ के विष्णुदेव हो, चाहे मध्यप्रदेश के मोहन यादव हो या राजस्थान के भजन लाल शर्मा, तीनों के बारें में ही कहीं दूर-दूर तक नाम दिखाई नहीं दे रहा था। तीनों ही लगभग नए चेहरे रहे हैं। पर राजस्थान की बात की जाए तो वह इस मायने में अलग हो जाती है कि राजस्थान में एक कार्यकर्ता को मुख्यमंत्री के पद की कुर्सी पर बैठाकर ग्रास रुट के कार्यकर्ताओं को संदेश दिया गया है कि यह भाजपा ही है जिसमें कोई भी कार्यकर्ता मुख्यमंत्री के पद को सुशोभित कर सकता है। क्योंकि सभी जानते हैं कि राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजन लाल लंबे समय से राजस्थान में भाजपा के चार प्रदेश अध्यक्षों के साथ प्रदेश महामंत्री के रुप में पर्दे के पीछे जिस तरह से संगठन के लिए काम किया है और ना दिन देखा ना रात देखी अपितु संगठन को मजबूत और सक्रिय बनाने में जुटे रहे और फिर पहली बार ही सांगानेर विधानसभा से विधायक चुने जाने के बाद सीधे मुख्यमंत्री के गरिमामय व चुनौतीपूर्ण पद की जिम्मेदारी दी गई है, यह निश्चित रुप से उनकी क्षमता और योग्यता व मेहनत को देखते हुए निर्णय लिया गया है क्योंकि भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सामने 2024 के लोकसभा के चुनाव हैं और उसे देखते हुए ही बहुत सोच-समझकर नवाचारी निर्णय लिए गए हैं। सबसे खास बात यह कि भाजपा नेतृत्व द्वारा काफी गहन अध्ययन, मंथन के बाद तीनों प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों का नाम चुना है। इससे खासतौर से पार्टी की लोकतांत्रिक व्यवस्था और जमीनी कार्यकर्ताओं में विश्वास और भरोसा कायम हुआ है कि भाजपा नेतृत्व सीधे आम कार्यकर्ताओं से जुड़ाव रखता है और कार्यकर्ता की मेहनत, निष्ठा और प्रतिबद्धता से अनभिज्ञ नहीं अपितु विज्ञ रहता है और आम कार्यकर्ता को सत्ता की भागीदारी देने में किसी तरह की हिचक नहीं रखता। बल्कि कहा जाए तो पार्टी के लिए कोई छोटा-बड़ा नहीं अपितु प्रत्येक कार्यकर्ता का अपना महत्व है। राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजन लाल के मुख्यमंत्री बनने के साथ ही यह सिद्ध भी हो गया है।

> **सभी जानते हैं कि राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजन लाल लंबे समय से राजस्थान में भाजपा के चार प्रदेश अध्यक्षों के साथ प्रदेश महामंत्री के रुप में पर्दे के पीछे जिस तरह से संगठन के लिए काम किया है और ना दिन देखा ना रात देखी अपितु संगठन को मजबूत और सक्रिय बनाने में जुटे रहे और फिर पहली बार ही सांगानेर विधानसभा से विधायक चुने जाने के बाद सीधे मुख्यमंत्री के गरिमामय व चुनौतीपूर्ण पद की जिम्मेदारी दी गई है, यह निश्चित रुप से उनकी क्षमता और योग्यता व मेहनत को देखते हुए निर्णय लिया गया है।**

देखा जाए तो तीनों ही मुख्यमंत्रियों के सामने 2024 के चुनावों की चुनौती के साथ ही पिछली सरकार द्वारा विरासत में मिली प्रशासनिक, कानून व्यवस्था और वित्तीय हालातों के साथ ही चुनावों के दौरान दी गई मोदी जी की गॉरंटी की, मोदी है तो गॉरंटी है, कम समय में पूरा करना बड़ी चुनौती है। राजस्थान में तो पेपरलीक, महिलाओं की सुरक्षा, 450 रु. में गैस सिलेण्डर, पिछले दिनों ही गोगामेडी की घर में हत्या जैसी घटनाएं गंभीर चुनौतियां है। एक तरफ हालात को सुधारना है तो दूसरी और कुछ निर्णय तो नई सरकार को तत्काल लेकर चुनावों के दौरान की गई घोषणाओं के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का संदेश देना होगा। हांलाकि राज्य सरकार ने शपथ ग्रहण के दिन ही मोदी साथे राजस्थान विज्ञापन में आओं करें शुरुआत, राजस्थान के नव निर्माण की, के माध्यम से दे दी है। निश्चित रुप से राज्य सरकार का यह विज्ञापनीय संदेश नई सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है और माना जाना चाहिए कि पहले दिन ही कुछ इस तरह के निर्णय कर लिए जाएंगे जिससे जनता में सीधा व सकारात्मक संदेश जा सकेगा।

राजस्थान के संदर्भ में बात करें तो मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा का पार्टी महामंत्री के रुप में कार्य करते हुए ग्रासरुट स्तर के कार्यकर्ताओं से सीधा जुड़ाव और एक उत्कृष्ट संगठनकर्ता के रुप में टीम को नेतृत्व देते हुए कार्य करने का लंबा अनुभव है और निश्चित रुप से इस अनुभव का लाभ मिलेगा। दूसरी और मंत्रीमण्डल के गठन, मंत्रालयों का वितरण, प्रशासनिक ढांचें की रिशफ्लिंग का चुनौतीपूर्ण कार्य है जिससे लोकसभा चुनावों से पहले जनता को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की गॉरंटी का संदेश प्रभावी तरीके से पहुंचाया जा सके। आगामी तीन-चार माह सरकार के लिए चुनौतीपूर्ण होंगे इससे इंकार नहीं किया जा सकता। आाशा की जानी चाहिए कि मुख्यमंत्री श्री भजन लाल अपने संगठनात्मक अनुभव का लाभ उठाते हुए राजनीतिक व प्रशासनिक टीम तैयार कर राजस्थान को अग्रणी प्रदेश की श्रेणी में ले जाने की दिशा में आगे लाएंगे। मुख्यमंत्री श्री भजन लाल को जन्मदिन के अवसर पर इससे बढ़कर दूसरा कोई तोहफा होई नहीं सकता। मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा को जन्मदिन और मुख्यमंत्री पद की शपथ की बधाई व मंगलकामनाएं।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

बीगोद में फैक्ट्रियों से निकलने वाली स्टोन स्लरी को स्कूल में डालने से परेशानी

स्टोन कटिंग से निकलने वाली स्लरी से प्रदूषण फैलने के साथ जनहानि होने की आशंका

माण्डलगढ़, (निसं)। बीगोद कस्बे में रीको की स्टोन कटिंग फैक्ट्रियों के संचालक खुलेआम प्रदूषण फैला रहे हैं। वहीं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की अनदेखी के चलते फैक्ट्रियों से निकलने वाली वेस्ट स्लरी को नियम विरुद्ध मनमर्जी से सरकारी जगह में डालने के साथ स्कूल परिसरों को भी नहीं छोड़ रहे हैं। जिससे पालतू पशुओं और छोटे बच्चों के लिए स्लरी डंपिंग मुसीबत बनती जा रही है और हादसे की आशंका बनी रहती है।

बीगोद कस्बे के जालियां रोड़ पर स्थित एक सरकारी स्कूल को स्लरी डम्पयार्ड बनाने से स्कूली बच्चों के लिए हादसे की आशंका बनी हुई है। कस्बे के रिको एरिया में चल रही कई स्टोन कटिंग फैक्ट्रियां खुलेआम नियमों की धज्जियां उड़ा रही है।

फेक्ट्रियों से निकली खतरनाक स्लरी को खुले में डाला जा रहा है। कार्यवाही का डर नहीं होने से फेक्ट्रियों से निकली स्लरी अब सरकारी स्कूल परिसर में भी डालने लगे हैं।

कस्बे के किरो की झोपड़िया स्कूल परिसर और बाहर फेक्ट्री से निकली स्लरी रात के अंधेरे में डाली जा रही है। जो स्वास्थ्य के लिए भी खतरनाक है। स्लरी का स्कूल परिसर में दलदल भरा रहता है। स्लरी को डंपिंग यार्ड में डालने की जगह कोई निर्धारित नहीं होने से सड़क किनारे और खुले में डाली जा रही है। इस मामले में विधालय प्रशासन ने स्लरी डालने वालों को शिकायत कर वापस उठाने के लिए कहा गया तो फैक्ट्री संचालकों ने दबंगई जता कर डरा जाता है।

विनय कट्ठा, प्रदूषण नियंत्रण मंडल विभाग क्षेत्रीय अधिकारी, भीलवाड़ा का कहना है कि खुले में स्लरी डालने का मामला गंभीर है। मौक़े पर टीम भेजकर फैक्ट्रियों की जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

माण्डलगढ़ के बीगोद रीको एरिया में स्टोन कटिंग फैक्ट्रियों से निकलने वाली स्लरी को स्कूल परिसर में डाला जा रहा है।

- बीगोद कस्बे के जालियां रोड़ पर स्थित एक सरकारी स्कूल को स्लरी डम्पयार्ड बनाने से स्कूली बच्चों के लिए हादसे की आशंका

मनरेगा योजना के कार्यों का विकास अधिकारी ने निरीक्षण किया

औचक निरीक्षण में कई जगह अनियमितता पाई गई

परबतसर, (निसं)। महात्मा गांधी नरेगा योजनान्तर्गत ग्रामीण क्षैत्र के गांवों में विकास अधिकारी के औचक निरीक्षण किये जाने पर कई जगह अनियमितता पाई गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत झालरा के राजस्व ग्राम सांचौर में प्रगतिरत कार्य तालाब खुदाई कार्य जाजडो की ढाणी, मैत्रीया नाडा सांचौर एवं विद्यालय के पास सार्वजनिक तालाब खुदाई एवं गाद निकासी कार्य सांचौर का विकास अधिकारी कविता जसोरिया पंचायत समिति परबतसर ने औचक निरीक्षण किया।

इस दल में अति. विकास अधिकारी पंचायत समिति परबतसर जितेन्द्र कुमार बंसल, छुट्टन लाल मीना ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत झालरा एवं कानसिंह धाभाई कनिष्ठ सहायक झालरा भी शामिल रहे। निरीक्षण के समय कार्य तालाब खुदाई जाजडों की ढाणी मैत्रीया नाडा सांचौर पर कार्यरत मेट राजू देवी द्वारा मस्टररोल में श्रमिक संख्या 97 एवं उपस्थिति संख्या 66 थी, जबकि कार्य पर निरीक्षण के दौरान उपरोक्त कार्य पर 10 श्रमिक ही उपस्थित थे। महात्मा गांधी नरेगा योजना में अनियमितता मानते हुए मेट राजु देवी को ब्लेकलिस्ट किया गया। साथ ही विद्यालय के पास सार्वजनिक तालाब खुदाई एवं गाद निकासी कार्य सांचौर पर कुल उपस्थिति दर्ज श्रमिक 35 में से कार्यस्थल पर 21 श्रमिक पाये गये। इस कार्य पर मेट नियोजित नहीं होने के कारण कार्य पर पाई गई लापरवाही के संबंध में देवीलाल, कनिष्ठ तकनिकी सहायक, छुट्टन लाल मीना, ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत झालरा एवं कनिष्ठ सहायक कानसिंह धाभाई को भविष्य में इस तरह की पुनरावृति रोकने हेतु निर्देशित किया गया।

- अनियमितता पाये जाने पर मेट को ब्लेकलिस्ट किया

विकास अधिकारी कविता जसोरिया ने मनरेगा कार्यों का औचक निरीक्षण किया।

नाबालिग बेटी ने अपने माता-पिता पर खुद को बेचने का आरोप लगाया

भीलवाड़ा, (निसं)। जहाजपुर उपखंड क्षेत्र में एक बार फिर रिश्तों को शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां रुपयों के लालच में देह व्यापार के लिए अपनी नाबालिग बेटी को बेचना चाहते हैं। लड़की ने माता-पिता पर 20 लाख रुपए में बेचने का आरोप लगाते हुए पुलिस उपाधीक्षक हंसराज बैरवा के समक्ष पेश होकर न्याय की गुहार लगाई है।

एक तरफ बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का नारा दिया जाता है लेकिन क्षेत्र के ग्रामीण हलकों में नाबालिग बेटियों को अंधाधुंध सौदा किया जा रहा है। बेटियों की सरेआम बोलियां लगाई जा रही हैं। चंद रुपयों की खातिर लोग अपनी बेटियों को बेच रहे हैं। उपखंड क्षेत्र के ग्रामीण इलाके में रहने वाली लड़की ने अपने माता-पिता पर वेश्यावृत्ति के लिए 20 लाख रुपए में बेचने का आरोप लगाते हुए पुलिस की शरण ली है। लड़की ने कहा कि मेरे माता-पिता मुझे वेश्यावृत्ति के लिए 20 लाख रुपए में ग्वालियर बेचना चाहते हैं लेकिन मैं शादी करके अपना घर बसाना चाहती हुं। अपने माता-पिता के खिलाफ अपनी सुरक्षा के लिए पुलिस प्रशासन से गुहार लगाई है।

तीन जिला जज के तबादले

जोधपुर, (कासं)। हाईकोर्ट प्रशासन ने तीन जिलों के जिला जज बदले है। साथ ही 55 अन्य न्यायिक अधिकारी भी ट्रांसफर किए।

प्रशासन ने जिला जज स्तर के सात अधिकारियों सहित 58 न्यायिक अधिकारियों का तबादला किया है। इधर विधि विभाग ने वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश से जिला जज संवर्ग में एडहॉक आधार पर पदोन्नत 49 न्यायिक अधिकारियों को सेवा विस्तार व वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश स्तर के 28 अधिकारियों को अतिरिक्त जिला न्यायाधीश पद पर पदोन्नत किया है। राघवेंद्र कछवाल को जिला सत्र न्यायाधीश राजसमंद, मंछाराम सुथार को बालोतरा व सुनील कुमार पंचोली को डूंगरपुर कलगाया है। एडहॉक आधार पर जिला जज संवर्ग में पदोन्नत 25 अधिकारियों का पदस्थापन किया है। गुंजल गोयल को जयपुर जिला मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, पूनाराम को जयपुर महानगर-द्वितीय क्षेत्र में सीएमएम, प्रियंका पारीक को जयपुर महानगर-प्रथम क्षेत्र में सीएमएम, अर्चना गुप्ता को जयपुर महानगर-द्वितीय क्षेत्र में एसीएमएम (आर्थिक अपराध), चेतन कुमार गोयल को जयपुर महानगर-द्वितीय क्षेत्र स्थित विशेष न्यायालय (जेडीए) में एसीएमएम- प्रथम व नारायण प्रसाद को जयपुर महानगर-द्वितीय क्षेत्र में एसीएमएम (रेलवे) पद पर लगाया है।

बच्चों ने मां से मिलने से इनकार किया तो हैरान रह गए न्यायाधिपति

जोधपुर, (कासं)। पिता की कस्टडी में रह रहे दो नाबालिग बच्चों ने राजस्थान हाई कोर्ट में कहा कि वे अपनी मां से नहीं मिलना चाहते। इस पर न्यायाधिपति ने कहा कि जिस मां ने जन्म दिया, अगर बच्चे उससे नहीं मिलना चाहते तो शक है कि उन्हें सिखा-पढ़ाकर लाया गया होगा। इन बच्चों को काउंसिलिंग की जरूरत है।

हाई कोर्ट के न्यायाधिपति अरुण मोंगा की सिंगल बेंच ने फैसला देते हुए कहा कि काउंसिलिंग से पता चलेगा कि बच्चों पर ऐसा क्या प्रेशर है, जिसके कारण वे मां से नहीं मिलना चाहते। कोर्ट ने कहा कि सामान्यत: बच्चे जिसकी कस्टडी में होते हैं, उसके पक्ष में बयान देते हैं। ऐसे में बच्चों की इच्छा पर फैसला लेना उनके हित में नहीं होगा।

जानकारी के अनुसार जोधपुर के उदय मंदिर थाना निवासी एक विवाहिता ने फैमिली कोर्ट में अपने पति के खिलाफ अक्टूबर 2021 में याचिका लगाई थी। याचिका में उसने अपने दो नाबालिग बच्चों से मिलने की इच्छा जाहिर की थी। बच्चे पिता की कस्टडी में हैं।

फैमिली कोर्ट ने मई 2023 में पति को आदेश दिया कि दोनों बच्चों को कोर्ट में पेश करें। इस आदेश को पति ने हाई कोर्ट में चुनौती दी। हाई कोर्ट ने अगस्त 2023 को आदेश दिया कि बच्चों को हर सप्ताह शुक्रवार को मेडिटेशन सेंटर में उनकी मां से मिलवाया जाए। इसके बाद नवंबर में हाई कोर्ट ने आदेश दिया कि बच्चों को उनकी मां से मिलवाने के लिए हर दूसरे दिन 1 घंटे के लिए भेजा जाए। 23 नवंबर को बच्चों के पिता ने कोर्ट से कहा कि बच्चे खुद अपनी मां से नहीं मिलना चाहते। ऐसे में उन्हें बाध्य नहीं किया जा सकता।

महिला के वकील सलमान आगा ने यह तर्क दिया कि मां को अपने बच्चों से मिलने का अधिकार है। बच्चों को मां से न मिलने देना बच्चों के हित में नहीं है। इस पर 8 दिसंबर 2023 को दोनों बच्चों को कोर्ट में बुलाया गया। उनकी इच्छा के बारे में पूछा तो दोनों बच्चों ने मां से मिलने से साफ मना कर दिया। इस पर न्यायाधिपति ने आशंका जताई कि बच्चों को सिखाया-पढ़ाया गया है, यही कारण है कि वे जन्म देने वाली मां से मिलने से इनकार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों ने मां से मिलने से इनकार किया है तो उनकी काउंसिलिंग की जाए। बच्चे फिलहाल पिता की कस्टडी में हैं।

न्यायाधिपति ने जोधपुर एम्स के डायरेक्टर को बच्चों की काउंसिलिंग मनोचिकित्सक से कराने के आदेश दिए हैं। कोर्ट ने कहा कि एम्स डायरेक्टर बच्चों की काउंसिलिंग के लिए मनोचिकित्सक नियुक्त करें जो लगातार 6 सप्ताह तक हर शनिवार इन बच्चों की काउंसिलिंग करेंगे। इसके बाद जोधपुर फैमिली कोर्ट में इसकी रिपोर्ट पेश की जाएगी।

- जिस मां ने जन्म दिया, अगर बच्चे उससे नहीं मिलना चाहते तो शक हैं कि उन्हें सिखा-पढ़ाकर लाया गया होगा, इन बच्चों को काउंसिलिंग की जरूरत है : न्यायाधिपति
- जोधपुर के उदय मंदिर थाना निवासी एक विवाहिता ने फैमिली कोर्ट में अपने पति के खिलाफ अक्टूबर 2021 में याचिका लगाई थी
- याचिका में उसने अपने दो नाबालिग बच्चों से मिलने की इच्छा जाहिर की थी, बच्चे पिता की कस्टडी में हैं

जाली काट कर बाल सुधार गृह से तीन बाल अपचारी भागे, चार घंटे बाद ही पकड़े

बीकानेर, (निसं)। जिला मुख्यालय के राजकीय संप्रेषण एवं किशोर सुधार गृह से तीन बाल अपचारी छत की जाली काट कर फरार हो गए। यह बाल अपचारी हाल ही में संप्रेषण गृह में आए थे। बाल अपचारियों के भागने की सूचना पर अधिकारियों में हड़कंप मच गया। किशोर गृह के अधिकारियों ने बाल अपचारियों के भागने की सूचना जिला पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम को दी। पुलिस अधीक्षक ने सीओ सदर व सदर एसएचओ सुरेन्द्र पचार को मौके पर भेजा। हालांकि पुलिस और बाल सुधार गृह के अधिकारियों ने साढ़े चार घंटे में ही तीनों बाल अपचारियों को पकड़ लिया।

पुलिस के अनुसार, बाल अपचारियों ने किशोर गृह से भागने की पूरी तैयारी कर रखी थी। घटना को रात दस बजे से पहले ही अंजाम दे डाला। ड्यूटी पर तैनात सुरक्षा गार्ड की घोर लापरवाही की बात अधिकारियों के सामने भी आई। रात करीब साढ़े नौ बजे बाल अपचारी जाली काट कर भाग गए और किसी को पता तक नहीं चला। बाल संप्रेषण गृह के अधिकारियों ने मामले की रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भिजवाई है।

गौरतलब है कि गत वर्ष संप्रेषण गृह में एक बाल अपचारी पर जानलेवा हमला हुआ था। इसके अलावा संप्रेषण गृह से जमानत पर छूटने के बाद एक बाल अपचारी जयपुर में जी-कूब पर हुई फायरिंग मामले में भी पकड़ा गया था। इन मामलों से बीकानेर का किशोर एवं बाल संप्रेषण गृह सुर्खियों में आया था। इसके बाद इसकी व्यवस्था को सुधारने की जरूरत महसूस की गई, लेकिन ताजा घटना ने फिर से सुरक्षा संबंधी कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

हॉल की छत पर लगी जाली को तोड़कर भागे तीन बाल अपचारियों पर अलग-अलग मामले दर्ज हैं। एक चोरी और दो जानलेवा हमला व मारपीट के मामले में विचाराधीन हैं। सदर पुलिस के अनुसार, खाना खाने के बाद सभी बाल अपचारी अपने कक्ष में चले गए। तभी इन बाल अपचारियों ने लोहे की एंगल से हॉल की छत पर लगी जाली को तोड़ा और फरार हो गए। सुरेन्द्र कुमार, अधीक्षक, राजकीय किशोर एवं संप्रेषण गृह बीकानेर का कहना है कि किशोर सुधार गृह से तीन बाल अपचारी भाग गए थे, जिन्हें पुलिस और बाल अपचारियों के अभिभावकों की मदद से चार घंटे के भीतर ही दबोच लिया गया। बाल अपचारियों के भागने में प्रथमदृष्टया सुरक्षा गार्ड भीम सिंह की लापरवाही सामने आई है। सुरक्षा गार्ड को हटा दिया है।

राशिफल शनिवार 16 दिसम्बर, 2023

पंडित अनिल शर्मा

मार्गशीर्ष मास, शुक्ल पक्ष, चतुरथी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2080, श्रवण नक्षत्र रात्रि 4:37 तक, व्याघात योग रात्रि 3:43 तक, वणिज करण प्रात: 9:16 तक, चन्द्रमा आज मकर राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-मकर, मंगल-वृश्चिक, बुध-धनु, गुरू-मेष, शुक्र-तुला, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग रात्रि 4:37 तक रहेगा। रवियोग दिन 3:38 से रात्रि 4:37 तक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 8:30 से 9:47 तक, चर 12:22 से 1:40 तक, लाभ-अमृत 1:40 से 4:14 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 7:13, सूर्यास्त 5:32

मेष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

सिंह
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। घर-परिवार में सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

धनु
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

वृष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

कन्या
व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। संभावित धन प्राप्त होगा। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

मकर
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। घर-परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मिथुन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

तुला
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन हो सकता है। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी।

कुंभ
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। मन में भय और असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्क
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

वृश्चिक
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मीन
आर्थिक/वित्तीय मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।